

**THE INSTITUTE FOR
ADVANCED STUDIES
OF WORLD RELIGIONS**

FILM—STRIP NO.
BB—1971—

260-143

**BUDDHIST SANSKRIT
MANUSCRIPTS**

1973-260
film strip number

84
2. Source

TĀRĀPĀRĀJIKĀ
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

+ 880 = A.D.

er in which MS was copied
(epali Samvat and Christian Era)

EPALI PAPER
erial (Palm leaf, etc.)

cm. x 8 cm.

Number of leaves in complete
work

Author and Date of composition
(if given)

Remarks

6. Name of Scribe

NEWĀRĪ
8. Script

6
10. Lines to a page

12. Missing leaves

14. Number of Chapters

Some Buddhist social rules.

२५
॥ अथ संस्कृतं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
निमित्तं निमित्तं नाना उपायान् कुरुते भगवान् ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कुरुते भगवान् कुरुते भगवान् कुरुते भगवान् ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
इत्यादि कुरुते भगवान् कुरुते भगवान् कुरुते भगवान् ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वानिजं धर्मं कुरुते भगवान् कुरुते भगवान् कुरुते भगवान् ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

तथा नायकयाक दिव्वा, थयासा निहामयाय दवय जायाय पा थया मरुताडा मवसीवी
यथा नृगमि १० दान कियथ यमन खवाय ताऊन याव क थथन सी निहूडा २ ॥
तपस किल दाडा न धा डाऊ वडा गनी थरुन क सिल लिडा थमरु सनाडा कया नायक मि
यिहू थमरु शयी थया सी मि रुस ऊ हयाय मि रुस वा गास स म नया डा ऊ स ए जा या य पू वा
क इह न य ३ विहिन क स इह न आरु नि किय डा ऊ हयाय मि न या ग धि म या म स नू डा डा दा
न विष किल दा डा थ स य ३ ग व न हा य व ति विष क डि हा डा थ म वा खा य व ति विष

वाङ्मनराजनयावकता ३ ॥ कसुमिमकसुमसमाककुडायाडा कसुमादायिडा
नानाकुकुकुहडायायिव दानाकामहिन स्वामीभिर्यरु नागीर्यरु मिनयूर्यरुडा
धयालानि मिहूनकाययिमान नडाग्रहदा नविय हामयाय कठयातवसि विय
कमिदायथमसवाखायवसिसुनय नूननि १००डाहायामनूकथाहा डादामविय राज
नयानकता ४ ॥ कसुमसुमिस्वायीडा मावसीव विडायाडा धयारुनरुथनयनिस्वाय
स्वालिडा धयासाकि कसुममयडायाय नडाग्रहदा नविय मावसीव विडायाडा

सर्वविद्याहाराया स्वामिम उज्ज्वलधनना निरुपय किं ज्ञायाय मातिडा क्रमस क्रासा कीः
यायमान सविद्याछात्र समयाय यश्चनकाया धकि वाडा रुकडक सीवा कूसाव धयरा
मसि निमसि स्वमि विहि पूषा अदर चयका यका सु इय माकि जति विय कया जाल
अय मिकू चून अइतसि क दई धनस रुकवलि सकय विइसाया वाड थास वायाडा
अवतिस मय सत इइ क सुवागास नथडा अ नवविय न किनी अविय वाक्रनरा ऊनक
॥ ७ ॥ मिह मातपना यारुत स्वकन कयि सा सागी रुयीडा अया साकि वनि विय मनया स

वाक्यमणानुशङ्गाभाजनवियः॥ १ ॥ विद्यानयनहयाऽनखनयाऽनक्रूरयाऽनमहत्त
जाश्रयुःधनहानिहयाऽध्यामीकिकुनऽध्याकियाऽध्याडाऽराकनसविवाक्रकाडाऽन
जानवायुऽशगायः॥ निवेदितिवियः॥ मन्त्रवाक्यधनध्यावाक्रनयामदानवियः॥ २ ॥
जातिःधनयाऽनक्रूरयाऽधनवाक्यनः॥ अदिनीऽक्रकयाऽद्विधनपाऽक्रकयाऽक्रसक्रकमि
यक्रवाक्यधनध्यानिहयाऽद्विधनवियः॥ ३ ॥ अन्तगयसुवमसुऽन
यक्रवाक्यधनध्यानिहयाऽद्विधनवियः॥ ४ ॥ अन्तगयसुवमसुऽन

इत इत कृमि न मी या जा या क दियू डा य न डा पा थ या व क साम स डा व हि आ कृ नि वि य
 र मि दान नू दान वि य अन धिय मि द व यू जा या य व ति दि य ॥ १० ॥ इ स थ इ स व स्वा ध
 र्थ थ इ स रू स क र्म थ इ स न नार्ज इ मि हा अ वा नि थ या रू स स्वा मि मृ ड इ यू पि द नी क्रा थ या र्म
 मि ति ल पा य म रू थ थ न वा भे ध र थ हा डा वा क्र न या य दान वि य रू स न या न क ॥ ११ ॥ अ
 व स स्वा न हा थ या रू स ग रू स व न डा क्र या इ स सि क द यू थ या र्म नि ज डा ग रू स न वि य ॥ १२ ॥
 द व स मृ छ मि हा व वा ड या रू स ना य क म इ हि न क्रा मि रू डा सा की नू दान वि य वा क्त न या न

नविद्यः ॥ १३ ॥ गुहिरिहिनानात्तत्र नडाहागनिडास्यामिहउडाताहः थया ॥ निककत्तः
पूजासमनयूजापक्रवन्दुग्राह्यउत्तुदानविद्यवक्रुदानविद्यवक्रुहाजनकः ॥ १४ ॥ गनश
तसर्गधूनूनूनसद्वेयिडा विगवाहा निवदडातस यषट्स गमसददयिडा थयारुत्तः ॥
दताडाकसियिडा ॥ अत्राहासा निवनिविद्यः कामययसादानविद्यरुमिदानविद्यनडाः
नविद्ययाथयारकडाकनलेहनकम्बथानेतेवलयकः यामइवनिडा वाइयामिसुयामि
॥ १५ ॥

विद्ययाथयारकडाकनलेहनकम्बथानेतेवलयकः यामइवनिडा वाइयामिसुयामि
॥ १५ ॥

धमय १० धनगणनका डा २० नवा प्रान्त २० जनक ॥ १५ ॥ मनूष्या कडमना वनी ॥

सुन कि सि वना नाना नय वय जानी ना नाम नि न थ या ह्य कि हा मया य न दान वि य क र स

पूजा व क ल क र ॥ १६ ॥ म क या सि त स न मा रे क ड ड थ या रु त ल ग ड य थ या

कि व ति वि य थ ड क म थ रु त य थ ग वि न हा य गाय ऊ फ ग न नू य पू जा या य ॥ १७ ॥

॥ ॐ ॥ ॐ ॐ ॐ ॥ सु ॥ सु त मी ग र्द रु व रु म र्ध का क स सु म म ॥

रु क धे र स्त न या हा व कि पू मा या सु नि गी य ग न कि क या वि वि ग व स र्ध ल डो म रु र्ध वि नि थ ड म नि
ना सम का ग या ड डो के व क या ना नान के मो र डो त ना स रु य ॥ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥